भगता रो रखवालो भगता रो मन मोई लेग्यो

भगता रो रखवालो,
भगता रो मन मोई लेग्यो,
रूणिचा रो वो धनियो,
भगता रो मन मोई लेग्यो।bd।

अरे गांव रुनिचे रा धणिया,
थारी लीला जग में न्यारी,
अजमल जी रा कंवर लाडला,
मेना दे रा लाला,
रानी नेतल रा भरतार,
भगता रो मन मोई लेग्यो,
भगता रो रखवालों,
भगता रो मन मोई लेग्यो।bd।

गूंगा दर पर बोल पड़े,
थारे लूला पाँव चले,
कोड़ी रो मिटावण व वालो,
भगता रो मन मोई लेग्यो,
भगता रो रखवालों,
भगता रो मन मोई लेग्यो।bd।

भादवा री बीज ने थारे,
मेलो भरे हे भारी,
दूर दूर सु दरसण ने,
आवे नर और नारी,
दुखिया रो दु:ख हरण वालो,
भगता रो मन मोई लेग्यो,
भगता रो रखवालों,
भगता रो मन मोई लेग्यो।bd।

भगत धरम री आई हे बिनती,
सुनलो अर्जी मारी,
साँचा नाम री महिमा गाऊ,
मेटो कृस्ट बिहारी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बाबा धन्य धन्य.महिमा थारी,
भगता रो मन मोई लेग्यो,
भगता रो रखवालों,
भगता रो मन मोई लेग्यो।bd।

भगता रो रखवालो,
भगता रो मन मोई लेग्यो,
रूणिचा रो वो धनियो,
भगता रो मन मोई लेग्यो।bd।

भजन गायक और लेखक – धर्मेंद्र तंवर।
उदयपुर। 9829202569

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com